B.Ed. IInd year

Knowledge, Language and curriculum

Topic :- हिल्दा ताबा प्रतिमान के सोपान
(Steps of Hilda Taba Models)

सन् 1962 मे हिल्दा ताबा ने सप्तपदीय प्रतिमान प्रस्तुत किये जो निम्न प्रकार है।

1. आवश्यकताओ का निदान
2. उद्देश्यो का निर्माण
3. विषय वस्तु का चयन
4. विषय वस्तु का संगठन
5. अधिगम अनुभवो का चयन
6. अधिगम क्रियाओ का संगठन
7. मूल्यांकन एवं मूल्यांकन साधन

प्रक्रिया (Procudure)

इस प्रतिमान की शुरुआत विद्यालय के अध्यापको द्वारा की जाती है, यह एक लोकतान्त्रिक उपागम है, और दो तथ्यो पर आधारित है

1. पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक तभी लागू किया जा सकता है, जब उसके निर्माण और विकास की प्रक्रिया मे अध्यापक सम्मिलित हो।
2. पाठ्यक्रम निर्माण मे केवल व्यावसायिक ही नही बल्कि विद्यार्थी, अभिभावक और समुदाय के अन्य सदस्य भी सम्मिलित हो।

हिल्दा ताबा प्रतिमान के सोपानो की भूमिका की विवेचना निम्न प्रकार है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

1. आवश्यकताओं का निदान

इस प्रतिमान के प्रथम सोपान मे इसे प्रभावशाली बनाने और विद्यार्थियो के सामने आने वाली समस्याओ का निदान करने का प्रयास किया जाता है। जिसमे निम्नलिखित व्यवस्थित निदान की प्रक्रियाएँ आती है।

(1) समस्या पहचान
(2) समस्या विश्लेषण
(3) परिकल्पनाओ का निर्माण एवं आंकड़े एकत्रित करना।
(4) क्रियाओ के साथ प्रयोग

2. उद्देश्यो का निर्माण

हिल्दा ताबा के पाठ्यक्रम निर्माण प्रतिमान के द्वितीय सोपान मे उद्देश्यो का निर्माण किया जाता है। जो निम्न प्रकार है –

(1) उपयोगी, स्पष्ट और मूर्त उद्देश्य
(2) यथार्थवादी उद्देश्य
(3). उद्देश्य का व्यापक कार्य क्षेत्र
(4). शैक्षिक एवं विषय वस्तु सम्बन्धित दोनो उद्देश्यो का उल्लेख

3. विषय वस्तु का चयन व संगठन

उद्देश्यो के निर्माण के बाद वस्तु से चयन एवं संगठन को प्रभावशाली बनाने के लिए इस पर बल दिया जाता।

(1) छात्रो की आवश्यकताओ और रुचियो की उपयुक्तता
(2). विभिन्न प्रकार की विषय-वस्तु से उपयुक्त पृथक्करण
(3). सामाजिक वास्तविकता से सामंजस्यता
(4). विषय वस्तु की वैधता और महत्व
(5). विवेकपूर्ण विषय वस्तु

P.T.O.

Scanned with CamScanner

4 अधिगम अनुभव का चयन एवं संगठन

अधिगम अनुभव के चयन एवं संगठन के सोपान निम्न प्रकार है।

(1). सीखने के नियमो का अधिकतम प्रयोग।

(2). विशिष्ठ शिक्षण विधियो का प्रयोग।

(3). व्याख्यान के समय प्रश्नो और विचारों द्वारा सक्रियता।

(4). सीखने के अधिगम अवसर प्रदान करना।

(5). प्रयोजना का निर्माण और वास्तविक समस्याओ के समाधान से विद्यार्थियो को सीखने के अवसर प्रदान करना।

5 मूल्यांकन

किसी भी परियोजना का मूल्यांकन अति आवश्यक है, क्योंकि जब तक किसी का मूल्यांकन नही होगा तब तक उसकी कमियां, सफलता, असफलता का पता नही चल पाएगा।

(1). सीखने की गुणवत्ता का मूल्यांकन कैसे किया जाए कि शिक्षा प्राप्ति के बाद इसके लक्ष्यो को प्राप्त किया गया है

(2). लक्ष्य और उद्देश्यो को अलग-2 रखना और उनकी प्राप्ति का प्रयास करना।

(3). पाठ्यक्रम के द्वारा अनुभवो को प्रदान करना जिससे अवसरो के द्वारा स्वतन्त्र रूप से प्राप्त उपलब्धि का आंकलन करना।

हिल्दा ताबा प्रतिमान की विशेषताएं

⇒ यह बाल केन्द्रित है।

⇒ यह स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओ की पूर्ति और लोकतान्त्रिय उपागम है

⇒ यह स्थानीय स्तर से राष्ट्रीय स्तर की ओर बढ़ता है।

Scanned with CamScanner

⇒ इसमे पाठ्यक्रम का विकास करने वाला और लागू करने वाला शिक्षक है। शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है।
⇒ इसमे विरोध की संभावना कम होती है।
⇒ पाठ्यक्रम का यह प्रतिमान स्थानीय समस्याओं की पूर्ति करता है।
⇒ यह छात्रो की आवश्यकता और उद्देश्य निर्माण मे सहायक है।
⇒ यह आगमनात्मक विधियो पर आधारित है।
⇒ यह सबसे अधिक प्रयोग किये जाने वाला प्रतिमान है।

हिल्दा ताबा प्रतिमान की सीमाएँ

⇒ यह एक सैद्धान्तिक प्रतिमान है इसे लागू करना बहुत कठिन है।
⇒ इसके लिए कुशल शिक्षकों का होना अति आवश्यक है।
⇒ प्रशासक, अध्यापको को प्रेरित नहीं करते है।
⇒ शिक्षको से अत्यधिक उम्मीद की जाती है।
⇒ इसमे अत्यधिक ~~व्यय~~ खर्च होता है।
⇒ शिक्षको मे आपसी सहयोग का अभाव हो सकता है।
⇒ संसाधनो की अत्यधिक आवश्यकता होती है।
⇒ लोग हमेशा परिवर्तन से डरते है इसलिए वे इसका विरोध कर सकते है।

हिल्दा ताबा प्रतिमान की पूर्व धारणाएँ

⇒ पाठ्यक्रम की गुणवत्ता मे सुधार तभी होगा जब कुशल शिक्षक होंगे।
⇒ व्यक्तिगत रूप से समस्या समाधान मे शिक्षको का सहयोग अति आवश्यक है।
⇒ शिक्षक कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हो।
⇒ प्रत्येक चरण पर मूल्यांकन होना चाहिए।
⇒ प्रशासन की सहायता से कार्यशालाओं आदि का आयोजन किया जाना चाहिए।

Thank you

by
Mr. Parveen Raj
Assi. Prof.
B.R.C. Deoband (SRE)

Scanned with CamScanner